चहचहाहट स्त्री. (अनु.) चहचहाने का भाव या चांग पुं. (तत्.) 1. दाँतों की सफेदी या सुंदरता 2. स्थिति।

मिलाना।

चहबच्चा पुं. (फा.) 1. गंदा पानी रखने का छोटा गड्ढा या हौज 2. धन गाइने या छिपाने का छोटा तहखाना टि. कुछ लोग इसे 'चौबच्चा' भी कहते हैं।

चहर स्त्री. (तत्.) 1. आनंद की धूम, रौनक 2. जोर का शब्द, शोरगुल 3. उपद्रव, उत्पात वि. 1. बढिया, उत्तम 2. चुलबुला, तेज पुरं चौक, बाजार।

चहल स्त्री. (अन्.) कीचड़, कीच, कर्दम स्त्री. (तत्.) आनंद की धूम, आनंदोत्सव, रौनक।

चहलकदमी स्त्री. (तद्.+फा.) धीरे-धीरे टहलना, घूमना या चलना।

चहल-पहल स्त्री. (अनु.) 1. किसी स्थान पर बह्त से लोगों के आने-जाने की धूम, रौनक, आनंदोत्सव, आनंद की धूम।

चहली स्त्री. (देश.) कुएँ से पानी निकालने की चरखी, गरारी, घिरानी।

चहा स्त्री. (देश.) चाह, इच्छा, मनोरथ, कामना। चहार वि. (फा.) चार, चार की संख्या।

चहारदीवारी स्त्री. (फा.) किसी स्थान के चारों ओर की दीवार, प्राचीन कोट, परिखा, परकोटा।

चहारुम वि. (फा.) चौथा, चतुर्थ।

चहुँ वि. (तत्.) चार, चारों।

चहेता वि. (तत्.) जिसके साथ प्रेम किया जाए, जिसे चाहा जाए, प्यारा।

चहेती वि. (तत्.) जिसे चाहा जाए, प्यारी।

चहाड़ना स.क्रि. (देश.) दे. चहोरना।

चहोरना अ.क्रि. (देश.) 1. रोपना, संभातना, सहेजना।

चहोरा पुं. (देश.) अगहनी धान, रौप्ण धान।

चंगेरी नामक साग।

स.क्रि. (तत्.) रौंदना, अच्छी तरह चांगेरी स्त्री. (तत्.) जिसका साग अमलोनी होता है, खट्टी लोनी।

चाचल्य पुं. (तत्.) चंचलता, चपलता।

चांडाल पुं. (तत्.) 1. नीच जाति, डोम, श्वपच, निषाद 2. कुकर्मी, दुष्ट, दुरात्मा, क्रूर, निष्ठुर, पतित मनुष्य।

चांडालिका स्त्री. (तत्.) दुर्गा का एक नाम।

चांडाली स्त्री. (तत्.) चांडाल जाति की स्त्री।

चांदिनिक वि. (तत्.) 1. चंदन का बना हुआ 2. चंदन से बासा हुआ।

चांद्र वि. (तत्.) चंद्रमा संबंधी पुं. 1. चांद्रायण व्रत 2. चंद्रकांत मणि 3. अदरक 4. मृगशिरा नक्षत्र।

चाद्रमस वि. (तत्.) चंद्रमा संबंधी पुं. 1. मृगशिरा नक्षत्र 2. चांद्र वर्ष।

चांद्रमास पुं. (तत्.) वह मास जो चंद्रमा की गति के अनुसार हो टि. चांद्रमास दो प्रकार का होता है एक गौण दूसरा मुख्य, कृष्ण प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक का काल गौण और शुक्ल प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक का काल मुख्य चांद्रमास कहलाता है।

चांद्राख्य पुं. (तत्.) अदरक।

चांद्रायण पुं. (तत्.) महीने भर में पूरा होने वाला कठिन व्रत जिसमें चंद्रमा के घटन-बढने के अन्सार आहार घटाना-बढ़ाना पड़ता है।

चांद्रायणिक वि. (तत्.) चांद्रायण व्रत करने वाला।

चाद्रि पुं. (तत्.) बुध ग्रह।

चांद्री स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा की पत्नी 2. चाँदनी, ज्योत्स्ना 3. सफेद भटकटैया।

चापेय पुं. (तत्.) 1. चंपक 2. नागकेसर 3. किंजल्क 4. सोना, स्वर्ण 5. धतूरा।

चांपेयक पुं. (तत्.) किंजल्क, केसर।

चांस पुं. (अं.) अवसर, मौका।